पंजाब केसरी SCHOLARS'

Website : www.punjabkesari.com

नई दिल्ली/ जयपुर, शुक्रवार, 30 अप्रैल, 2010

ii स्कालर्स इवेंट्स iii स्कालर्स इवेंट्स iv स्कालर्स एजुकेशन

Confession of errors is like a broom which sweeps away the dirt and leaves the surface brighter and clearer. I feel stornger for the confession. **Mahatma Gandhi**

SHARDA UNIVERSITY
Beyond Boundaries
Approved vide Act no. 14 of 2009 of UP Govt. and recognised by UGC.

ADMISSION OPEN
B. Tech/M.Tech • BCA/MCA • BBA/MBA • MBBS* • BDS*
Clinical Research • B.Sc./M. Sc. (Mass Comm.) • Ph.D
*Conditions Apply
Sharda University, Plot No. 32-34, Knowledge Park 3, Greater Noida (Delhi NCR).
www.sharda.ac.in Call: 1800-1800-008

बिजनेस को नई ऊंचाई से जोड़ती है
मैनेजमैंट की पढ़ाई

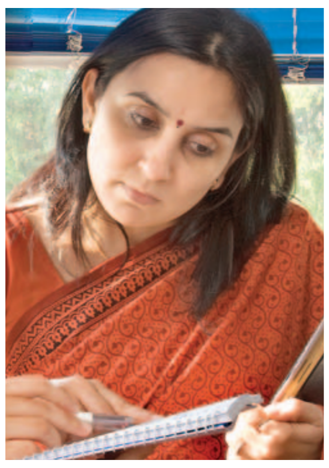

मिस मीना भाटिया
(एसोसिएट प्रोफेसर एंड डीन)
आई.आई.एल.एम. अंडरग्रेजुएट बिजनेस स्कूल

हायर एजुकेशन
उषा पाहवा

■ **आई.आई.एल.एम की शुरूआत कब और कितने छात्रों से की गई ?**
1993 से हमारा मैनेजमेंट कैंपस प्रारंभ हो चुका है। उस समय हम सिर्फ मास्टर्स डिग्री यानी मैनेजमेंट प्रोग्राम ही कर रहे थे, उस समय कोई ऐसी यूनिवर्सिटी नहीं थी जो (foreign degree provide) **फॉरेन डिग्री प्रोवाइड** कर सके तो हम लोगों ने 1996 से **फॉरेन डिग्री** (foreign degree) का प्रोसेस स्टार्ट किया। इसके जरिए स्टूडेंट इंडिया में ही यूके के एक्सपीरिएंस (experience) को हासिल कर सकते हैं। हमारे प्रोग्राम का नाम बीएससी आनर्स इन एकाउंटिंग मैनेजमेंट (BSc Hons. in Accounting) और बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्किल्स (Business and Management skills) बीएससी, आनर्स था। जब हमने यह कोर्स स्टार्ट किया तो हमारे पास सिर्फ 54 स्टूडेंट थे लेकिन आज हमारा कैंपस गुड़गांव में भी है।

■ **इस समय स्टूडेंट्स की संख्या कितनी है ?**
हम लोग हर बैच में केवल 120 स्टूडेंटस ही लेना पसंद करते हैं। इससे ज्यादा छात्रों को हम नहीं लेते हैं। गुड़गांव में हम लोगों ने दो साल पहले 60 स्टूडेंटस से इंस्टीट्यूट स्टार्ट किया था। चूंकि हमारा मास्टर्स प्रोग्राम है, इसलिए क्वालिटी से कोई समझौता नहीं करते, अधिक स्टूडेंटस लेने से क्वालिटी पर असर पड़ता है।

■ **आई.आई.एल.एम में पढ़ाई का सिस्टम क्या है ?**
हमारा पूरा सिस्टम यूके बेस्ड है और यूके का एजुकेशन सिस्टम बड़ा ही फिक्सड है, हर चीज बड़े ही फिक्सड फार्मेट में होती है, किस समय क्या चीज पढ़ानी है, ये सारा सिस्टम वहीं से तय होता है। इसे कैलेंडर ओरिएंटेड कहें तो ज्यादा अच्छा है, यानी किस दिन और किस हफ्ते क्या पढ़ाया जाना है। ब्रैडफोर्ड यूनिवर्सिटी (Bradford University) ही तय करती है। अगर हम यहां बच्चों की कापी चैक करते हैं तो वह कापी फिर से वहां चैक होती है और उस पर हमारे यहां रिपोर्ट भी आती है कि हमने किस प्रकार चैक किया। क्वालिटी स्टैंडर्ड हमारा पूरा ब्रैडफोर्ड से मैच करता है। हमारे यहां एग्जाम के पेपर तक वहीं से बनकर आते हैं। अगर वे अपना सिलेब्स फर्स्ट वीक से स्टार्ट कर रहे हैं तो हमें भी फर्स्ट वीक से स्टार्ट करना होगा। हमारे यहां एक आनलाइन सिस्टम है जिसे ब्लैक बोर्ड कहते हैं। ब्लैक बोर्ड में हम अपना पूरा सिलेबस डाउनलोड करते हैं और फिर उसी के जरिए स्टूडेंटस को पढ़ाया जाता है, बस इतना फर्क है यूके में क्लास 50 मिनट की होती है और हमारे यहां 75 मिनट की एक क्लास होती है क्योंकि थोड़ा सा हम इसमें इंडियन टच रखते हैं ताकि स्टूडेंट को अपने और सरल तरीके से पढ़ा सकें, समझा सकें। हमारा एजुकेशन सिस्टम सेमेस्टर, टीचिंग सिस्टम और सेमेस्टर सब एक सा है। वहां की फैकल्टी और यहां की फैकल्टी लगातार संपर्क में रहती है।

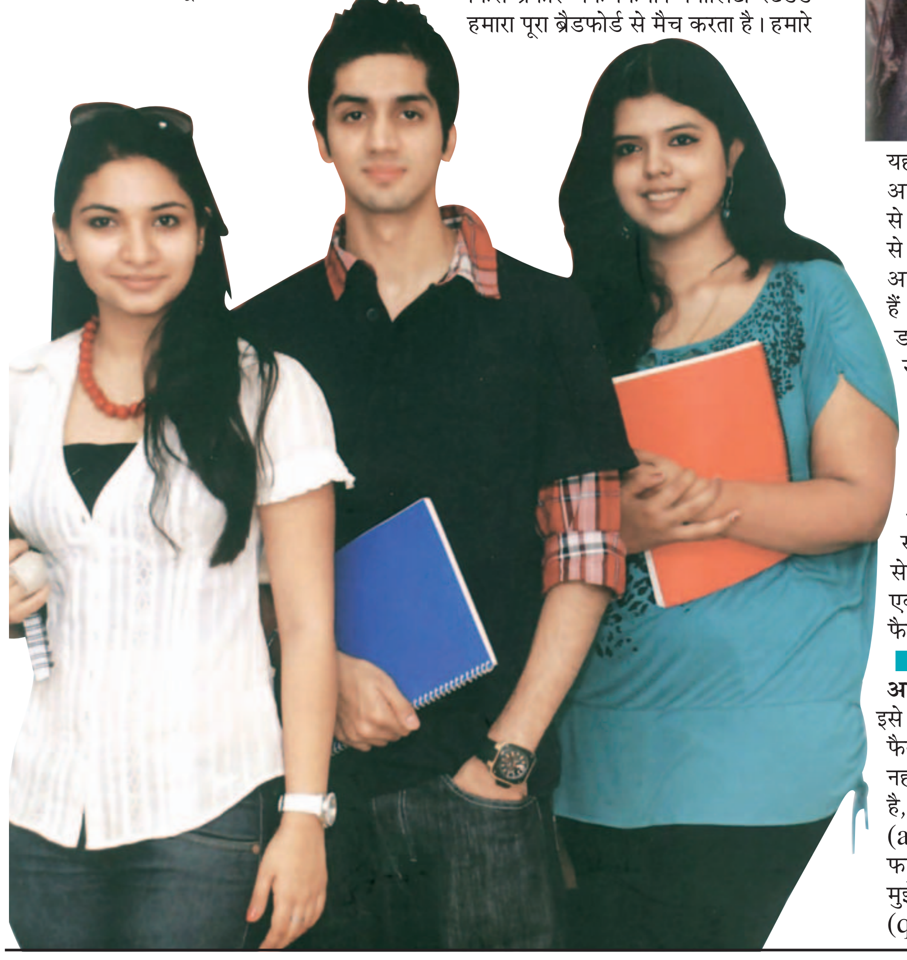

■ **संस्थान में फैकल्टी का चयन किस आधार पर होता है ?**
इसे लेकर बहुत स्टिक्ड पालिसी है। हम फैकल्टी का चयन सिर्फ अपने आधार पर नहीं कर सकते, जितनी फैकल्टी हमारे यहां है, वे सब के सब ब्रोडफोर्ड से ही एप्रूब्ड (approved) हैं। अगर मैंने कोई टीचर फाइनेंशियल मैनेजमेंट के लिए लिया है तो मुझे देखना है कि उसकी क्वालिफिकेशन (qualification) क्या है। क्या वह फाइनेंशियल मैनेजमेंट से वाकिफ है, क्या उसने यह सब्जैक्ट पहले पढ़ाया है। अगर पढ़ाया है तो उसे केवल उसी सब्जैक्ट के लिए मंजूर किया जाएगा वह कोई दूसरा सब्जैक्ट नहीं पढ़ा सकता धीरे-धीरे उसका एक्सपीरिएंस बढ़ता जाएगा पहले वह फर्स्ट ईयर को पढ़ाएगा, अगर स्टूडेंटस उसके पढ़ाने की शैली को पसंद करते हैं और ब्रैडफोर्ड को भी ठीक लगता है तो उसे फैकल्टी में रखा जाएगा, अगर वहां से एप्रूव (approve) होगा तभी उसे नेक्स्ड लेवल (next level) का सब्जैक्ट दिया जाएगा वरना नहीं। जैसे ही हम किसी को सैलेक्ट करते हैं, उसका सीवी ब्रैडफोर्ड से मंजूर होने के बाद ही वहां से हमें ब्लैकबोर्ड का यूजर नेम और पासवर्ड (user name & password) मिलता है ताकि जो मैटेरियल उन्होंने भेजा है वो उसे यूज करने लग जाए। क्वालिटी को मेनटेन (maintain) करने के लिए हम लोग बुक्स भी इस्तेमाल करते हैं मगर इंडियन बुक्स इस्तेमाल नहीं कर सकते।

■ **एडमिशन के लिए क्या रूल एंड रेग्यूलेशन हैं, कितनी पर्सेंटेज चाहिए यहां एडमिशन के लिए ?**
55 प्रतिशत अंक पाने वाले छात्रों को एडमिशन मिल जाता है, इससे पहले कि छात्र अपना कोर्स आरंभ करें, हम लोग छह सप्ताह का **ब्रिज कोर्स** (bridge course) चलाते हैं जिसमें हम स्टूडेंटस को मानसिक तौर पर तैयार करते हैं क्योंकि 12वीं के बाद कई छात्र साइंस से आते हैं, कई आर्ट्स से उनके लेवल में थोड़ा अंतर होता है, इसलिए जब वह फर्स्ट ईयर का पेपर पढ़े तो उसे पता रहना चाहिए कि यह पढ़ाई यूके बेस्ड है, वहां से जो मैटर आएगा वही पढ़ाया जाएगा। वैसे तो स्टूडेंट को कोई प्रोब्लम फेस नहीं करनी पड़ती, मगर फिर भी उन्हें क्लियर होना बहुत जरूरी है।

■ **इतनी महंगी शिक्षा और मोटी फीस भरने के बाद अगर कोई छात्र पढ़ाई में वीक चल रहा है तो उसके लिए आपका क्या सिस्टम है ?**
ब्रैडफोर्ड ने एक बहुत अच्छा सिस्टम बना रखा है वह है टैटोरियल सिस्टम। मान लीजिए मेरी क्लास में 40 बच्चे हैं, 40 को मैंने लैक्चर दे दिया, अब उसी सप्ताह हम उन 40 बच्चों को 20-20 में बांट लेते हैं, उन 20 बच्चों की अलग क्लास होगी जो वीक हैं टूटोरियल सिस्टम में जितने भी सब्जैक्ट हैं, सभी सब्जैक्ट के लिए उनकी अलग क्लास लेते हैं। पहले तो पूरी क्लास के साथ एक कंसेप्ट क्लियर concept clear) करते हैं, बाकी अलग से टूटोरियल क्लास में पढ़ाते हैं, इसके अलावा उन्हें कोई प्राब्लम है तो दूर की जाती है। मुझे पता है कि मेरी क्लास में पांच कौन से बच्चे वीक हैं, उनकी अलग से क्लास लेने में हमें कोई समस्या नहीं होती।

■ **यहां मैनेजमेंट की पढ़ाई को कितने विषयों में पढ़ाया जाता है ?**
मैनेजमेंट की पढ़ाई तीन विषयों पर केंद्रित है, पहला एकाउंटिंग एंड फाइनेंस का स्पेशलाइजेशन, दूसरा मार्केटिंग का स्पेशलाइजेशन और तीसरा बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज। इन तीनों में स्पेशलाइजेशन हैं। मगर फर्स्ट सेमेस्टर में सभी स्टूडेंट्स को यहीं तीनों सब्जैक्ट्स पढ़ने होंगे, क्योंकि मैनेजमेंट का जो बेस है, वह इन तीनों विषयों को पढ़ने के बाद ही समझ आता है।

■ **तीन साल तक पढ़ाई के बाद आईआईएलएम की डिग्री की वैल्यू क्या है ?**
हमारे पास जितने भी स्टूडेंट आते हैं वो बिजनेस बैकग्राउंड के होते हैं। ज्यादातर लोग अपने ही बिजनेस को ज्वाइन करना पसंद करते हैं। हमारा जो सिगमेंट है वह लो मिडिल क्लास नहीं है, हमारे यहां सारा बिजनेस क्लास स्टूडेंट है, वही स्टूडेंट यहां आते हैं जिन्हें अपने बिजनेस की संभावना दिखती है। हमारा क्राउड बिल्कुल अलग है यहां आने वाले ज्यादातर छात्र वह होते हैं जिन्होंने कहीं न कहीं अपनी फैमिली में या रिश्तेदारी में यहां का अनुभव लिया हुआ होता है हमारे यहां बच्चे सैलेरी के लिए पढ़ाई नहीं करते, बल्कि जिन्होंने अपने बिजनेस के सिस्टम को एक नए ढंग से आर्गेनाइज करने के सिस्टम को सीखने आते हैं। हमारा इंस्टीट्यूट एक प्लेटफार्म देता है ताकि आप बाहर जाकर अपनी स्टडीज को बेहतर तरीके से पूरा कर सकें। यहां की डिग्री के बाद आप आसानी से बाहर जाकर अपना बिजनेस ग्रो कर सकते हैं।

■ **क्या कारण है स्टूडेंट्स का रूझान मैनेजमेंट की तरफ तेजी से बढ़ रहा है ?**
देखिए अगर कोई कंट्री ग्रो करती है तो इसलिए करती है कि वहां का बिजनेस बढ़ रहा है जब बिजनेस बढ़ेगा तो मैनेजमेंट की फील्ड अपने आप बढ़ेगी। मैनेजमेंट स्किल्स भी बढ़ेंगे, मैनेजमेंट स्किल्स (management skills) वही इंप्रूव करेगा जो मैनेजमेंट के बारे में जानता होगा। इसलिए मैनेजमेंट की हमेशा डिमांड रहेगी, अभी जो ज्यादा ग्रोथ है, वो अपर क्लास में है, अगर हम बाटम पर जाएं तो आने वाले समय में वो भी आगे बढ़ेगी, पीछे तो जाएगी नहीं इसलिए ग्रोथ के चांस हमेशा बढ़ते रहते हैं। बिजनेस को कैसे सक्सैसफुली हैंडल (succefully handle) करना है यह मैनेजमेंट पालिसी को जाने और समझे बिना मुमकिन ही नहीं है। ●

छात्रों को आईआईटी
ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम से नहीं गुजरना होगा

देश में तेजी से बढ़ते कोचिंग के कारोबार को देखते हुए मानव संसाधन मंत्रालय आईआईटी-ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम को खत्म करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। इसके लिए एक विशेषज्ञ समूह का गठन किया गया है जिसका नेतृत्व आईआईटी, खड़गपुर के डायरेक्टर दामोदर आचार्य कर रहे हैं। इस विशेषज्ञ दल ने हाल ही में मंत्रालय में एक रिपोर्ट

स्कालर्स डायरी

पेश की है जिसमें सिफारिश की गई है कि इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिला लेने के लिए 12वीं बोर्ड की परीक्षा के अंक और ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम के अंकों को जोड़कर छात्रों की प्रतिभा का आकलन किया जाएगा।

मौजूदा दौर में आईआईटी में छात्रों का दाखिला ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम में उत्तीर्णता के आधार पर होता है। समिति द्वारा की गई सिफारिश के अनुसार 12वीं बोर्ड परीक्षा में प्राप्त अंक का 70 प्रतिशत और ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम में प्राप्त अंक के 30 प्रतिशत को जोड़कर मेधावी लिस्ट बनाई जाएगी। समिति का यह भी मानना है कि इन परीक्षाओं की तैयारी छात्र नौवीं और दसवीं कक्षा से करना प्रारंभ कर देते हैं और कभी-कभी ऐसा भी देखने में आता है कि बहुत से छात्र आईआईटी के एंट्रेंस एग्जाम तो पास कर लेते हैं, पर नौवीं या दसवीं कक्षाओं में उत्तीर्ण नहीं हो पाते, जिससे उन पर अतिरिक्त दबाव बढ़ जाता है, इसे रोकना भी जरूरी है। ●

BAKSON HOMOEOPATHIC MEDICAL COLLEGE
ISO 9001:2008 Certified Institute (A Sikh Minority Institute)
Affiliated to Dr. B.R. Ambedkar University, Agra (U.P.) and Recognised by C.C.H., Govt. of India
B.H.M.S. ADMISSIONS: 2010-11
Entrance Exam conducted by Association of Private Ayurvedic / Unani & Homoeopathic Medical Colleges of U.P.
Eligibility : 10+2 with PCB Duration : 5½ Years.
- Last Date of Submission of Application Form : 3rd July 2010
- **Date of Common Pre-Medical Entrance Examination :11th July 2010**

M.D. (Hom.) ADMISSIONS: 2010-11
Eligibility : B.H.M.S./Graded B.H.M.S. Duration : 3 Years Regular.
Post-Graduate Medical Entrance Test (Homoeopathy): 16th May 2010
Last date of Submission of Application Forms: 12/5/2010
Subjects for M.D. (Hom.): Homoeopathic Materia Medica, Organon of Medicine, Repertory, Paediatrics, Practice of Medicine, Homoeopathic Pharmacy & Psychiatry
Only college having a placement cell for doctors.
For application forms & further details contact:
College Campus: Plot No. 36 B, Knowledge Park, Phase-I, Greater Noida, Gautam Budh Nagar (U.P.)-201306
Mob.: 09899101747, 09871955201, 09899101745, 09899101728
E-mail : college@bakson.net Website: www. bakson.net
Prospectus & Application Forms also available at :
Bakson's Homoeopathy: A - 51, South Extension Part-1, New Delhi.
Phone : 011 - 41646562, 41647156

श्रेष्ठतम - बस यही हमारा लक्ष्य !
जे.आर. मीडिया इंस्टीट्यूट
निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकार बनने के लिए शीघ्र ही विभिन्न कोर्सेस:
1. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 2. संपादन में डिप्लोमा 3. विज्ञापन और मार्केटिंग में डिप्लोमा
4. अनुवाद में डिप्लोमा 5. रिपोर्टिंग में डिप्लोमा 6. प्रिंटिंग में डिप्लोमा 7. पेज मेकिंग में डिप्लोमा
प्रवेश विवरणिका (Prospectus) निम्नलिखित पते पर प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक उपलब्ध
- दिल्ली कार्यालय : जे.आर. मीडिया इंस्टीट्यूट: पंजाब केसरी, 2, प्रिंटिंग प्रैस काम्प्लैक्स, वजीरपुर, दिल्ली-35
- पंजाब केसरी 5/5 आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली-1 (समीप पटेल चौक मेट्रो स्टेशन)
- पूर्वी दिल्ली कार्यालय : राम नगर एक्स., गली नं.-4, मंडोली रोड, शाहदरा, दिल्ली-32 (समीप रविदास गेट)
- दक्षिणी दिल्ली कार्यालय : 3 डीडीए मार्केट, जंग पुरा एक्सटेंशन, नियर इरोज मॉल
- राजस्थान कार्यालय : प्लाट नंबर 5-सी, झालाना डूंगरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, जयपुर, राजस्थान

Helpline: 9971663344, 9910664499 Website: www.punjabkesari.com